

**अनिर्दिष्ट** वि. (तत्.) जो बताया न गया हो, अनिरूपित, अनिर्धारित, अनिश्चित।

**अनिर्दिष्ट भूतकाल** पुं. (तत्.) ऐसा भूतकालिक प्रयोग जो सामान्यतः उस क्रिया के भूतकालिक पक्ष को अनिश्चित या गौण बना देता है उदा. मैं आया तो तुम से जरूर मिलूँगा।

**अनिर्देश** पुं. (तत्.) 1. निर्देश न दिए जाने की स्थिति, न बताए जाने की स्थिति 2. अनुल्लेख।

**अनिर्देश्य** वि. (तत्.) [अ+निर्देश्य] 1. जो निर्देश देने के योग्य न हो 2. जिसके बारे में किसी प्रकार से निर्देश या मार्गदर्शन या विवेचन न किया जा सके।

**अनिर्धारित** वि. (तत्.) अनिरूपित, अनिश्चित, अनिर्दिष्ट, जिसका निर्धारण नहीं हुआ हो।

**अनिर्धार्य** वि. (तत्.) [अ+निर्धार्य] 1. जिसे निर्धारण के योग्य न समझा जाए 2. जिसका निर्धारण किसी तरह से भी संभव न हो जैसे- अनिर्धार्य खगोलीय सृष्टि।

**अनिर्बंध** वि. (तत्.) [अ+निर्बंध] 1. जो पूरी तरह बंधनरहित हो 2. जिसे बंधन में बाँधा न जा सका हो 3. मुक्त, स्वतंत्र।

**अनिर्भर** वि. (तत्.) [अ+निर्भर] 1. जो (अपनी आवश्यकता पूर्ति हेतु) किसी पर किसी तरह भी निर्भर न हो 2. निर्भरता रहित, समर्थ। विलो. निर्भर।

**अनिर्वच** वि. (तत्.) [अ+निर्वच] 1. जिसका वाणी से वर्णन न किया जा सके 2. अनिर्वचनीय जैसे- अनिर्वच आनंदानुभूति के क्षण सहज कहाँ।

**अनिर्वचन** पुं. (तत्.) 1. व्याख्या या निरुक्ति न करना 2. मौन, खामोशी, जोर से न बोलना।

**अनिर्वचनीय** वि. (तत्.) जिसका वर्णन न हो सके, अकथनीय, अवर्णनीय, जिसका निरूपण न हो सके।

**अनिर्वाच्य** वि. (तत्.) दे. अनिर्वचनीय।

**अनिर्वाण** वि. (तत्.) 1. न बुझा हुआ 2. न नहाया हुआ, अस्नात 3. अप्रक्षालित।

**अनिर्वात** वि. (तत्.) [अ+निर्वात] जो (स्थान/ कक्ष आदि) वायु से पूर्णतःरहित न हो।

**अनिर्वाप्य** वि. (तत्.) जो बुझाया न जा सके, जैसे- अनिर्वाप्य दीपमालिका 2. लाक्ष. जिसकी क्रोधाग्नि या वैर जनित आक्रोश को ठंडा न किया जा सके, अनिर्वाप्य वैरता।

**अनिर्वाह** पुं. (तत्.) 1. निर्वाह न होने या न किए जाने की स्थिति 2. अपूर्णता, असंगति 3. आय की कमी, साधन की कमी, गुजारा न हो पाना 4. विषय, शैली या विन्यास का विधिवत् सम्यक् संपादन न कर पाना।

**अनिर्वाह्य** वि. (तत्.) जो निर्वाह के योग्य न हो, जिसकी व्यवस्था कठिनाई से हो, असुसंपाद्य।

**अनिर्वेद** पुं. (तत्.) [अ+निर्वेद] 1. दुःख, खेद, खिन्नता का अभाव 2. वैराग्य का अभाव 3. उत्साह।

**अनिल** पुं. (तत्.) हवा, वायु, समीर।

**अनिल कुमार** पुं. (तत्.) 1. पवनपुत्र हनुमान 2. भीम 3. जैन धर्मदर्शन के अनुसार देवताओं का एक वर्ग।

**अनिलप्रकृति** वि. आयु. [अनिल-प्रकृति] 1. जिसमें वात तत्त्व की प्रधानता हो 2. वात प्रकृति प्रधान (कोई व्यक्ति) 3. पुं. शनि ग्रह।

**अनिलय** वि. (तत्.) आवास-रहित, आश्रय-स्थल से रहित।

**अनिलवाह** वि. (तत्.) 1. वायु की तरह तेज बहने वाला 2. हवा का वेग/वायु-प्रकोप 3. वायुमंडल।

**अनिलात्मज** वि. (तत्.) [अनिल+आत्मज] 1. पवनपुत्र 2. हनुमान 3 भीम।

**अनिलामय** वि. (तत्.) [अनिल+आमय] 1. हवा के कारण होने वाल कोई शारीरिक रोग या कष्ट 2. वातजन्य रोग, वातरोग 3. गैस बनने से पेट का फूलना या अफारा।

**अनिलाशी** वि. (तत्.) [अनिल+अशिन=आशी] 1. वह जो केवल वायु का पान करते हुए जीवनयापन करता है जैसे- अनिलाशी महात्मा 2. पुं. नाग/ सर्प।

**अनिवर्तन** वि. (तत्.) वापस न आना, दृढ़ एवं स्थिर रहना।

**अनिवर्ती** वि. (तत्.) 1. वापस न आनेवाला 2. तत्पर 3. पीठ न दिखाने वाला।